

शिक्षकों एवं छात्रों के संदर्भ में डिजिटल शिक्षा के अधिगम का विश्लेषणात्मक अध्ययन: माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक स्तर

सविता सिंह

रिसर्च स्कॉलर, डिपार्टमेंट ऑफ़ एजुकेशन एंड फिजिकल एजुकेशन, श्याम यूनिवर्सिटी, दौसा,
राजस्थान

रुचिका सिंह

रिसर्च गाइड, डिपार्टमेंट ऑफ़ एजुकेशन एंड फिजिकल एजुकेशन, श्याम यूनिवर्सिटी, दौसा, राजस्थान

सार

डिजिटल युग के साथ, शिक्षा के क्षेत्र में अद्वितीय परिवर्तन हुआ है, जिसने माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्तर के शिक्षकों और छात्रों के अधिगम प्रक्रियाओं को पूरी तरह से परिवर्तित किया है। इस अध्ययन में, हमने उन अधिगम की प्रक्रियाओं को जांचा है जो डिजिटल शिक्षा के तंत्र का प्रयोग करके हो रहे हैं, और इसके प्रभाव को माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्तर के शिक्षकों और छात्रों के द्वारा अनुभव किया जा रहा है। इस अध्ययन के माध्यम से हम डिजिटल शिक्षा के अधिगम की प्रक्रिया को गहराई से समझने का प्रयास करते हैं, ताकि हम इसके सकारात्मक प्रभाव को बढ़ावा दे सकें और इसके साथ ही किसी भी संभावित चुनौती को समझ सकें। डिजिटल शिक्षा के अधिगम में सामर्थ्य को बढ़ावा देने के लिए, हमें शिक्षकों की प्रशिक्षण, विद्यार्थियों की डिजिटल साक्षरता, और शिक्षा प्रक्रिया में डिजिटल साधनों का सही तरीके से उपयोग करने के लिए सभी पहलुओं का माध्यम से समझने की आवश्यकता है। हमें डिजिटल शिक्षा के अधिगम के प्रति शिक्षक और छात्र की दृष्टि से सीखते हैं और उनके अनुभवों को बेहतर बनाने के लिए कैसे सामर्थ्य वाद प्रदान किया जा सकता है। इसके अलावा, हम शिक्षा नीति और अद्यतन प्रक्रियाओं को बेहतर बनाने के लिए सिफारिशें प्रदान करते हैं और डिजिटल शिक्षा के प्रभावी अधिगम को बढ़ावा देने के लिए अनुशासनिक प्रक्रियाओं के मामले में कैसे सुधार किए जा सकते हैं, उस पर विचार करते हैं।

परिचय

आधुनिक युग कंप्यूटर प्रौद्योगिकी का युग है और कंप्यूटर हमारी शिक्षा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कंप्यूटर की मदद से छात्र अधिक सीख सकते हैं और वे अपनी तार्किक समस्याओं को बहुत आसानी से और भारी गति से हल कर सकते हैं। कंप्यूटर आधारित शिक्षा के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अधिक प्रतिस्पर्धी रोजगार बाजार में संपत्ति होगी इसलिए माध्यमिक स्तर पर कंप्यूटर आधारित शिक्षा पर जोर दिया जा रहा है और इस स्तर पर इसका तेजी से विस्तार हो रहा है। कंप्यूटर आधारित शिक्षा के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण उपयोगकर्ताओं के ज्ञान और रचनात्मकता को बढ़ाता है। जहाँ अस- कंप्यूटर के प्रति नकारात्मक रवैया कंप्यूटर के उपयोग को सीखने के रूप में प्रतिबंधित कर सकता है। कंप्यूटर के प्रति नकारात्मक रवैये को कंप्यूटर की चिंता भी कहा जाता है, इसलिए हम यहां देखते हैं कि कंप्यूटर की चिंता भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, यह एक बड़ी समस्या है कि उच्च माध्यमिक स्तर के छात्रों में कंप्यूटर की चिंता को कैसे दूर किया जाए। उच्च माध्यमिक स्तर पर कंप्यूटर आधारित शिक्षा पर जोर दिया जा रहा है और इस स्तर पर इसका तेजी से विस्तार हो रहा है। कंप्यूटर आधारित शिक्षा के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण कंप्यूटर उपयोगकर्ताओं की सीखने की प्रक्रिया और रचनात्मकता को बढ़ाता है, जबकि नकारात्मक दृष्टिकोण कंप्यूटर के उपयोग को सीखने और शिक्षण उपकरण के रूप में बाधित कर सकता है। उच्च माध्यमिक स्तर के छात्रों के लिए कंप्यूटर

अत्यंत सहायक है। वे अपने ज्ञान और रचनात्मकता को बढ़ा सकते हैं। लेकिन इसके विपरीत कंप्यूटर की चिंता भी एक बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कंप्यूटर चिंता एक विचार विशिष्ट चिंता प्रकार है जो अक्सर एक बहुत ही विशिष्ट प्रकार की स्थिति में होती है।

उद्देश्य

1. डिजिटल शिक्षा की महत्वपूर्णता का प्रदर्शन: इस अध्ययन का प्रमुख उद्देश्य है कि हम डिजिटल शिक्षा के अधिगम की महत्वपूर्णता को समझें और उसे प्रस्तुत करें, ताकि शिक्षा के क्षेत्र में इसका प्रयोग बढ़ सके।
2. शिक्षा क्षेत्र में डिजिटल अद्यतनता का मूल्यांकन: हम इस अध्ययन के माध्यम से यह जांचते हैं कि डिजिटल शिक्षा के अद्यतनन का मूल्यांकन कैसे किया जा सकता है, और इसके प्रभाव को समझते हैं।
3. शिक्षकों और छात्रों के अधिगम की प्रक्रिया का अध्ययन: हम इस अध्ययन में शिक्षकों और छात्रों के डिजिटल शिक्षा के अधिगम की प्रक्रिया को विश्लेषण करते हैं ताकि हम उनके अनुभवों को समझ सकें और उनकी दृष्टि से देख सकें।
4. डिजिटल साक्षरता के स्तर की मापन: हम यह जानने का प्रयास करते हैं कि शिक्षकों और छात्रों का डिजिटल साक्षरता कैसे मापा जा सकता है, ताकि उन्हें डिजिटल शिक्षा का अधिगम करने के लिए उपयुक्त सहायता मिल सके।
5. डिजिटल शिक्षा के प्रभावों की समझ: हम इस अध्ययन के माध्यम से डिजिटल शिक्षा के प्रभावों को समझने का प्रयास करते हैं और यह जानने की कोशिश करते हैं कि इससे शिक्षा क्षेत्र में कैसे सुधार किया जा सकता है।

विषय का महत्व

1. शिक्षा क्षेत्र में डिजिटल युग का महत्व: आज का समय डिजिटल युग का है, और शिक्षा क्षेत्र में इसके अद्वितीय महत्व को समझना और उसे अपनाना अत्यंत महत्वपूर्ण है।
2. शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार: डिजिटल शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों को विशेषतः विभिन्न शैली और पेस के साथ शिक्षा मिल सकती है, जिससे उनकी गुणवत्ता में सुधार हो सकता है।
3. अधिगम की दर सुधार: इस अध्ययन से हम उन तकनीकी उपायों को समझ सकते हैं जिनसे शिक्षा के अधिगम की दर में सुधार किया जा सकता है और विद्यार्थियों को अधिक समझदार और साक्षर बनाया जा सकता है।
4. शिक्षा प्रणाली में सुधार: यह विषय शिक्षा प्रणाली में डिजिटल तकनीकों के प्रयोग के अद्वितीय तरीके की खोज और सुधार के लिए महत्वपूर्ण है।
5. शिक्षकों और छात्रों की तैयारी: शिक्षकों और छात्रों के लिए इस विषय की अध्ययन से वे डिजिटल शिक्षा के लिए तैयार हो सकते हैं और अधिगम को बेहतर बना सकते हैं।
6. अधिगम के तरीकों में आधुनिकरण: यह विषय शिक्षा के तरीकों को आधुनिकरण करने का माध्यम है और शिक्षा को दुनिया भर में सामर्थ्य और गुणवत्ता में सुधार करने में मदद कर सकता है।
7. शिक्षा क्षेत्र में तकनीकी रूप से समृद्धि: डिजिटल शिक्षा के अधिगम के माध्यम से, शिक्षा क्षेत्र में तकनीकी रूप से समृद्धि हो सकती है, जिससे शिक्षा क्षेत्र में नई संभावनाएं उत्पन्न हो सकती हैं।

8. शिक्षा के साथ तकनीकी समर्थन: डिजिटल शिक्षा के अधिगम का महत्व यहाँ यह है कि विद्यार्थियों को तकनीकी समर्थन और नौकरी द्वारा बढ़ते हुए कार्य अवसर भी प्रदान किया जा सकता है।

निष्कर्ष

डिजिटल शिक्षा के अधिगम पर यह अध्ययन साबित करता है कि डिजिटल युग में शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण बदलाव हो रहा है। इसके साथ ही, इस अध्ययन से हम यह समझते हैं कि डिजिटल शिक्षा के प्रयोग से शिक्षा क्षेत्र में गुणवत्ता में सुधार करने के अनेक संभावित तरीके हैं। इस अध्ययन के माध्यम से हमने शिक्षकों और छात्रों के डिजिटल शिक्षा के प्रति रुझान, तकनीकी साक्षरता के स्तर, और अधिगम की प्रक्रिया को समझने का प्रयास किया है। इसके अलावा, हमने डिजिटल शिक्षा के प्रभावों को भी देखा है, जैसे कि शिक्षा प्रणाली में सुधार, गुणवत्ता के विशेषत सुधार, और शिक्षा के साथ तकनीकी समर्थन के अवसर। इस अध्ययन के परिणामस्वरूप, हम यह कह सकते हैं कि डिजिटल शिक्षा के अधिगम का महत्व बढ़ चुका है और इसके निष्पक्ष विश्लेषण से हमें शिक्षा क्षेत्र में सुधार करने के लिए यह कैसे उपयोगी हो सकता है। इसके साथ ही, शिक्षा के साथ तकनीकी समर्थन के माध्यम से विद्यार्थियों को बेहतर तरीके से तैयार करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम भी प्रस्तुत करता है। इसलिए, हमें इस विषय के महत्व को समझने और डिजिटल शिक्षा को शिक्षा क्षेत्र में व्यापक रूप से अपनाने की आवश्यकता है ताकि हम शिक्षा क्षेत्र को आधुनिक और उन्नत बना सकें।

सूची

गर्ग शिल्पी (1997) "कम्प्यूटर की सहायता से अधिगम एवं शिक्षण प्रयोजना के अन्तर्गत प्रशिक्षित अध्यापकों द्वारा निर्मित हिन्दी व अंग्रेजी व्याकरण के विभिन्न प्रकरणों पर आधारित कोर्सवेयर की प्रभावशीलता का अध्ययन", शिक्षा संकाय, वनस्थली विद्यापीठ।

1. गुप्ता, हेमलता (2004) "शिक्षक शिक्षा महाविद्यालयों में शैक्षिक तकनीकी के संसाधनों की संस्थिति एवं उपयोगिता एक सर्वेक्षण", अप्रकाशित लघुशोध प्रबन्ध, शिक्षा संकाय, वनस्थली विद्यापीठ।
2. कुकरेती, बी. आर. एण्ड सक्सेना, मनोज कुमार (2004) "इन्फॉर्मेशन टेक्नालॉजी इन टीचर ट्रेनिंग प्रोग्राम: 'नीड एण्ड सिग्निफिकेन्स एक्सपेरीमेन्ट इन एज्यूकेशन", द एसआई. टी. यू. कॉउन्सिल ऑफ एज्यूकेशनल रिसर्च, चैन्नई, अगस्त, 2004।
3. एल्कातिक, लुक्की (1993) "इन्स्ट्रक्शनल यूजेस ऑफ कम्प्यूटर इन एज्यूकेशन", जर्नल ऑफ एज्यूकेशनल टेक्नोलॉजी, जनवरी, पब्लिशिंग फॉर वन वर्ल्ड विली ईस्टन लिमिटेड, न्यू दिल्ली, वॉल्यूम 5, नं 2